REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514
VOLUME - 8 | ISSUE - 9 | JUNE - 2019

प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों के बीच बर्नआउट – एक अभ्यास

डॉ. तारसिंग नाईक
सहाय्यक प्राध्यापक,
शासकीय अध्यापक महाविद्यालय, रत्नागिरी.

प्रस्तावना :

प्राथमिक शिक्षा में व्यावसायिक अध्यापकों उनके व्यवसाय से सम्बन्धित निरन्तर जानकारी प्रदान करना, एवं व्यावसायिक गुणो तथा कौशलों में सुधार एवं विकास करना सम्मिलित है। प्राथमिक अध्यापक–शिक्षा की व्यवस्था, अध्यापक को शिक्षण–व्यवसाय में प्रवेश करने के पश्चात् उनके लगातार विकास के लिये उचित अनुदेशन को सुनिश्चित करने के लिये दी जाती है। अध्यापक–शिक्षा द्वारा प्राथमिक अध्यापकों के अन्दर व्यावसायिक गुणों का विकास किया जाता है।

वर्तमान अध्ययन मे रत्नागिरी शहर के प्राथमिक स्कूल शिक्षकों के उनके कामकाज के संबंध मे बर्नआउट के स्तर की जांच की। इस अध्ययन मे रत्नागिरी शहर के 44 स्कूली शिक्षकों को यादृच्छिक अनुसन्धान नमुना के अंतर्गत चुना गया। इस अध्ययन निष्कर्षो से पता चला की पुरूष और महिला स्कूल शिक्षक अपने बर्नआउट स्तर में काफी भिन्न होते हैं जब की ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पढानेवाले शिक्षकों के बर्नआउट स्तर में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

महत्वपूर्ण शब्द : बर्नआउट, स्कुल के शिक्षक, शहरी और ग्रामीण।

परिचय :

बर्नआउट को भावनात्मक थकावट के रूप में वर्णित किया जाता है जो पुरानी तनाव का परिणाम है और विशेष रूप से ऐसे लोगों में होता है जो पेशावर रूप से अन्य लोगों के संपर्क में (Antoniou et al 2013) इसमे तीन घटक शामिल है। भावनात्मक थकावट निजीकरण और व्यक्तिगत उपलब्धि की कमी होती है। पिछले अध्ययनों के आधार पर सभी तीन बर्नआउट और शिक्षकों के व्यावसायिक तनाव में अंतर है। महिला शिक्षक उच्च स्तर के बर्नआउट विशेष रूप से ावनात्मक और व्यक्तिगत उपलब्धि की कमी का अनु व करती हैं। (लाऊ एट अल 2005) इन्होंने प्राथमिक शिक्षा के महिला और पुरूष शिक्षकों के बीच तीन बर्नआउट मे कोई अंतर नही पाया गया। प्राथमिक अध्यापक विद्यालयों के अध्यापकों के बर्नआउट से यह भी ज्ञात होगा की विद्यालय स्तर के सेवारत् प्राचार्य और अध्यापकों के लिए शिक्षा में जो परिवर्तन हो रहे हैं उनसे अध्यापक विद्यालय के अध्यापकों को अवगत कराया जाये जिससे वे नये परिवेश की शैक्षिक समस्याओं को भली प्रकार समझकर उनका समाधान कर सकें।

अध्ययन का उद्देश्य :

1. शहरी और ग्रामीण स्कूल शिक्षकों के बर्नआउट के स्तर की तुलना करना ।
2. पुरूष और महिला शिक्षकों के बर्नआउट के स्तर की तुलना करना ।

अध्ययन की परिकल्पना :

1. शहरी और ग्रामीण स्कूल के शिक्षकों की बर्नआउट में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
2. पुरूष और महिला स्कूल के शिक्षकों की बर्नआउट में कोई महत्वपूर्ण अंतर नही है।

अध्ययन का डिजाइन :

वर्तमान अध्ययन को उनकें लिंग और क्षेत्र के संबंध में स्कूल शिक्षकों के बर्नआउट स्तर का अध्ययन करने के लिए डिजाइन किया गया था।

न्यादर्श :

प्रस्तुत वर्तमान अध्ययन में न्यादर्श के लिए रत्नागिरी जिला के प्राथमिक अध्यापक विद्यालय के 44 अध्यापकों को चयनित किया गया। कुल अध्यापकों में चयनित न्यादर्श का चयन किया गया।

क्र.	शहर	समूह	पुरूष	महिला
1	रत्नागिरी	35	42	13

प्रस्तुत अध्ययन में रत्नागिरी शहर के प्राथमिक अध्यापकों को बर्नआउट से संबंधित प्रदत्त एकत्र करने के लिये Maslach Burnout Inventory (1996) का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तोका विश्लेषण :

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षकों के जले हुए अंको के साधनों के बीच अंतर का महत्व।

तालिका 1

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षको के बर्नआउट अंकों के साधनों के बीच अंतर का महत्व

		संख्या	माध्य	प्रमाण विचलन	संपूर्ण	महत्वपूर्ण
भावनात्मक समस्या	ग्रामीण	22	16.49	7.71	1.51	नही
	शहरी	22	17.32	73.71		
तणाव	ग्रामीण	22	6.94	4.23	2.32	नही
	शहरी	22	7.97	4.4		
व्यक्तिगत उपलब्धि	ग्रामीण	22	36.63	8.73	0.518	नही
	शहरी	22	38.37	24.47		

परिणाम और विचार विमर्श :

क्षेत्र के संबंध में बर्नआउट स्तर के लिए तालिका 1 में महत्वहीन टी मूल्य स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि शहरी और ग्रामीण स्कूल शिक्षक अपने बर्नआउट के स्तर में काफी भिन्न नहीं है। इसके अलावा शहरी शिक्षकों का ग्रामीण समकक्षों की तुलना में बर्नआउट में उच्च माध्य स्कोर है। इसके वर्तमान अध्ययन के निष्कष के विरोधी ासी है जिन्होंने शहरी स्कूल के शिक्षकोंके बीच अपने ग्रामीण समकक्षों की तुलना में उच्च माध्य स्कोर और उच्च स्तर के बर्नआउट की सूचना दी। वर्तमान अध्ययन में शहरी शिक्षकों के बीच उच्च माध्य स्कोर वर्तमान अध्ययन के निष्कष के विरोधा भासी है। जिन्होने शहरी स्कूल के शिक्षकों के बीच अपने ग्रामीण समकक्षों की तुलना में उच्च माध्य स्कोर और उच्च स्तर के बर्नआउट की सूचना दी। वर्तमान अध्ययन में शहरी शिक्षको के बीच उच्च स्कोर भी देखा गया था। लेकीन अंतर महत्त्वपूर्ण नही था। अच्छी परिवहन प्रणाली, परिवार समर्थन, लोगों के मानसिक स्तर में वृध्दी के कारण उनके आय स्तर में वृधि के कारण हो सकता है।

तालिका 2
पुरूष और महिला शिक्षकों के बर्नआउट स्कोर के साधनों के बीच अंतर का महत्व

		संख्या	माध्य	प्रमाण विचलन	संपूर्ण	महत्वपूर्ण
भावनात्मक समस्या	पुरूष	22	15.21	5.9	2.68	है
	महिला	22	13.20	6.9		
तणाव	पुरूष	22	7.50	4.39	2.47	है
	महिला	22	4.42	5.20		
व्यक्तिगत उपलब्धि	पुरूष	22	35.3	8.3	2.37	है
	महिला	22	38.2	24.59		

तालिका 2 में उनके बर्नआउट के संबंध में पुरूष और महिला स्कूल के शिक्षकों के बीच महत्वहीन टी मूल्य इंगित करता है कि पुरूष और महिला स्कूल के शिक्षक अपने बर्नआऊट के स्तर में काफी भिन्न होते है। इसके अलावा महिला स्कूल के शिक्षकों के उच्च माध्य स्कोर से संकेत मिलता है कि उनके पुरूष समकक्ष की तुलना में उच्च स्तर के बर्नआउट है। उच्चस्तर के जलने का संभावित कारण महिला के अत्यधिक बोझ में वृधि परिवार और स्कूल व्दारा अपेक्षा से अधिक और महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए है लेकिन परिवारिक बाधाओ की अनुमति नहीं है। इसी खोज को कई शोधकर्ताओं व्दारा देखा गया है।

हालॉकि इस अध्ययन से पता चला है कि पुरूष और महिला शिक्षक समान स्तर के बर्नआउट प्रदर्शित करते है। लैगिंक अंतर को सामाजिक सिध्दांत व्दारा समझाया जा सकता है जो महिलाओं की संवेदनशीलता और अनु वजन्य क्षमताओं को संदर्भित करता है जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओं का स्वंय के साथ संबंध है।

शैक्षिक प्रभाव

निष्कर्ष शिक्षक प्रशिक्षण पाठयक्रम व्यावसायिक विकास और शिक्षकों की समग्र भलाई के लिए निहितार्थ रखते है।यह महत्वपूर्ण है कि बर्नआउट की बढती घटनाओं को देखते हुए और इसका व्यक्तिगत शिक्षकों पर हानिकारक प्रभाव पडता है जो एक संगठन व्दारा वितरित की जाने वाली सेवा की गुणवत्ता पर प्र ाव डाल सकता है। शिक्षण में यह उत्पादक शिक्षण और सीखने के वातावरण से संबंधित है।

संदर्भ –

पाण्डेय के.पी.(2006), शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणसी।

LBP PUBLICATION